देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 16 अंकः 108 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

विचार-प्रवाह...समाधान में समग्रता हो

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 27 जुलाई 2021

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 28.0° न्यूनतम 25.0°

40339.37 2 चीन से निराश हुआ था पाकिस्तान 7 भारत लौटीं मीराबाई चानू, हुआ भव्य स्वागत

हंगामे की बाढ़ में बहता जा रहा मॉनसून सत्र

कांग्रेस के नरम नहीं पड़ रहे तेवर, कृषि कानूनों के विरोध में ट्रैक्टर चलाकर संसद पहुंचे राहुल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। संसद का मॉनसून सत्र हंगामे की बाढ़ में बहता जा रहा है। कार्यवाही न चल पाने के पीछे सरकार विपक्ष को दोषी बता रही है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि सरकार अहम मुद्दों पर चर्चा करने से मुंह चुरा रही है। दिलचस्प यह है कि बिना चर्चा के ही विधेयक भी पास हो रहे हैं। ये अच्छे संकेत नहीं हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में सोमवार को ट्रैक्टर चलाकर संसद भवन पहुंचे। राहुल गांधी जो ट्रैक्टर चला रहे थे उस पर उनके साथ राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा, प्रताप सिंह बाजवा और पार्टी के कुछ अन्य सदस्य बैठे थे।

इस ट्रैक्टर के आगे एक बैनर भी लगा था जिस पर 'किसान विरोधी तीनों काले कृषि कानून वापस लो-वापस लो' लिखा हुआ था। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा, '' किसानों की बात सुनी नहीं जा रही है। सरकार को इन तीनों कृषि कानूनों को वापस लेना होगा। ये काले कानून हैं।''

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, प्रह्लाद जोशी और धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को संसद में व्यवधान को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। विपक्षी दलों के हंगामे के कारण सोमवार को भी संसद की कार्यवाही नहीं चल सकी। पिछले सप्ताह भी कामकाज बाधित रहा था।

पेगासस जासूसी मामला, तीन कृषि कानूनों के विषय सहित कुछ अन्य मुद्दों पर विपक्षी सदस्य सरकार को घेर रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि सरकार इन मुद्दों पर चर्चा क्यों नहीं करना चाहती। आईटी पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने कहा कि सरकार ने इस सप्ताह के एजेंडे में पेगासस का उल्लेख नहीं किया है। इसके अलावा वह लोकसभा में कोरोना प्रबंधन, वैक्सीन नीति और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी पर बोलना नहीं चाहती है।

इन्हीं मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर सोमवार को एक बार फिर दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। इस गतिरोध के बीच प्रमुख विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने बैठक की। पेगासस जासूसी मामले पर बातचीत करने के साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए।

दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार हुई बाधित

क्या है सरकार का कहना?

सरकार का कहना है कि विपक्ष का रवैया जिम्मेदारीपूर्ण नहीं है। वह शोर-शोराबे से बाज आए। मॉनसून सत्र की शुरुआत होने के पहले दिन ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए कैबिनेट मंत्रियों का परिचय न करा पाने की परंपरा टूटने पर विपक्ष को आड़े हाथों लिया था।

बिना चर्चा बिल हो रहे पारित

खास बात यह है कि विपक्ष के हंगामे और शोर-शराबे के बीच बिल भी पास हो रहे हैं। संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्षी सदस्यों से सदन को चलने देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि पहले ही पांच दिन बिना किसी काम के निकल चुके हैं। जनता का पैसा बर्बाद हो रहा है। इस दौरान लोकसभा में दो बिल बिना चर्चा के पारित हुए। यह निश्चित ही शुभ संकेत नहीं है। बिरला ने शोर-शराबा कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा, जनता ने आपको चुनकर भेजा है ताकि आप यहां उनके मुद्दे उठा सकें। लेकिन, आप नारेबाजी कर रहे हैं, तख्तियां लहरा रहे हैं।

क्यों अड़ा है विपक्ष

विपक्ष का साफ कहना है कि सरकार उनकी आवाज दबाना चाहती है। वह पेगासस जासूसी मामले, तीन नए कृषि कानूनों, कोरोना प्रबंधन, वैक्सीन पॉलिसी सहित कुछ अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा चाहता है। इन मुद्दों पर राजनीति गरमाई हुई है। सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ट्रैक्टर चलाकर संसद पहुंचे। उन्होंने कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग की। विपक्ष का कहना है कि इन तमाम मुद्दों पर चर्चा से सरकार कन्नी काट रही है। पेगासस मामले पर राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आज प्राइवेसी खत्म की जा रही है। सबकी जासूसी की जा रही है। क्या राहुल गांधी और जिनकी भी जासूसी की गई, क्या वे सभी आतंकवादी हैं?

संक्षिप्त समाचार

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कारगिल विजय दिवस के मौके पर सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई अन्य ने शहीदों को याद किया। इस दौरान सेना के शौर्य और बलिदान को नमन किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने सोमवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

देश में आए 39 हजार से ज्यादा कोरोना के नए मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में कोरोना की दूसरी लहर दिन प्रति दिन कम होती जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के अंदर देशभर में 39,361 कोरोना के नए मामले और 416 मौतें दर्ज की गईं हैं। सोमवार को सरकार की तरफ से जारी आकंड़ों के अनुसार देश में कोरोना के सक्रिय मामले 4,11,189 हैं।

दिल्ली की तरह लखनऊ में चारों तरफ रास्ते होंगे सील

यूपी और उत्तराखंड में आंदोलन शुरू करने जा रहा संयुक्त किसान मोर्चा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लखनऊ। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन लगातार चल रहा है। ऐसे में सोमवार को लखनऊ में संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि अब लखनऊ को भी दिल्ली की तरह बनाया जाएगा। जिस तरह दिल्ली में चारों तरफ के रास्ते सील हैं, ऐसे ही यहां के सारे रास्ते किसानों की ओर से सील किए जाएंगे। हम इसकी तैयारी करेंगे।

लखनऊ के प्रेस क्लब में संयुक्त किसान मोर्चा में किसान नेता राकेश टिकैत, योगेंद्र यादव समेत कई किसान नेता मौजूद रहे। इस दौरान मिशन उत्तर प्रदेश के तहत संयुक्त किसान मोर्चा सरकार और उसकी नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोलने की बात कही है।

बिजली महंगी, गन्ने का भुगतान बाकी: राकेश टिकेट ने कहा कि यूपी हमेशा आंदोलन का प्रदेश रहा है। मूंग के किसानों ने तीन हजार रुपये सस्ती फसल बेची। आलू का किसान बर्बाद हुआ है। गन्ना किसानों का 12 हजार करोड़ का भुगतान बाकी है। पिछली सरकारों में आंदोलन के बाद रेट बढ़ता रहा लेकिन इस सरकार ने कुछ नहीं बढ़ाया। यूपी में किसानों को सबसे महंगी बिजली मिलती है।

बड़े आंदोलन की चेतावनी: टिकैत ने कहा कि पांच सितंबर को मुज्जफरनगर में बड़ी पंचायत कर आंदोलन की शुरुआत करेंगे। संयुक्त मोर्चा ने 8 महीने तक आंदोलन करने के बाद ये फैसला लिया है कि यूपी और उत्तराखंड के साथ पूरे देश में इस आंदोलन को बढ़ाएंगे।

लखनऊ के चारों तरफ होगा घेराव: राकेश टिकैत ने कहा जब तक तीनों कानून जब तक वापस नहीं होते, तब तक किसान आंदोलन वापस नहीं होगा। लखनऊ को भी दिल्ली बना देंगे।

चुनाव नहीं लड़ेंगे

चुनाव लड़ने के सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा कि हम चुनाव नहीं लड़ेंगे और किसान जिस पार्टी से खुश होगा, उसे वोट देगा। बीजेपी से मेरी लड़ाई चल रही है इसीलिए ये तो भूल जाएं कि इन्हें वोट मिलेगा। पहले भी इनके खिलाफ विपक्ष ने आवाज उठाई थी तो बीजेपी ये बताए की उन्हें कितने में खरीदा था।

असम-मिजोरम बॉर्डर पर फायरिंग...बढ़ा तनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

गुवाहाटी। असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद सोमवार को और भड़क उठा। असम-मिजोरम बॉर्डर पर असम के सुरक्षाबलों और मिजोरम के नागरिकों के बीच झड़पें हुई हैं, फायरिंग की भी बात कही गई है। दोनों ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए गृह मंत्री अमित शाह से दखल करने को कहा है। हाल ही में अमित शाह ने इस मुद्दे पर बैठक की है।

सोमवार को मिजोरम के सीएम जोरमथंगा ने पुलिस और नागरिकों के बीच झडप का एक वीडघ्यिो ट्वीट करते हुए गृह मंत्री अमित शाह को टैग करते हुए अनुरोध किया था कि इस मामले पर तुरंत कोई कार्रवाई करें। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय को भी टैग किया गया है। इसके जवाब में असम पुलिस ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मिजोरम से कुछ असामाजिक तत्व असम के सरकारी अधिकारियों पर पथराव कर रहे हैं। ये अधिकारी लैलापुर में असम की जमीन की अतिक्रमण से रक्षा करने के लिए तैनात हैं। इसके जवाब में असम के सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा ने ट्वीट किया, माननीय जोरमथंगा जी, कोलासिब (मिजोरम) के एसपी ने हमसे कहा है कि जब तक हम अपनी पोसट से पीछे नहीं हट जाते तब तक उनके नागरिक सुनेंगे नहीं और हिंसा नहीं रोकेंगे। ऐसे हालात में सरकार कैसे चला सकते हैं? इसके बाद उन्होंने अमित शाह और प्रधानमंत्री कार्यालय को टैग करते हुए लिखा है, आशा है कि आप जल्द से जल्द दखल देंगे।

दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद तब उपजा जब असम पुलिस ने अपनी जमीन पर कथित तौर पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान शुरू किया। 10 जुलाई को जब असम सरकार की टीम मौके पर गई तो उस पर अज्ञात लोगों ने आईईडी से हमला कर दिया।

आरोप

■दोनों राज्यों के सीएम ने लगाए एक-दूसरे पर आरोप

गगनयान का पहला मानवरहित अभियान टला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्पष्ट कर दिया है कि गगनयान मिशन के तहत पहला मानवरहित अभियान इस साल दिसंबर में नहीं हो पाएगा। इसरो का कहना है कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के चलते इस महत्वाकांक्षी मिशन की हार्डवेयर सामग्रियों की आपूर्ति में देरी हो गई है। इसलिए पहला मानवरहित अभियान अब अगले साल के लिए टल गया है।

इसरो प्रमुख सिवन बोले- दिसंबर में यह संभव नहीं

बेंगलुरु स्थित इसरो के मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार अंतरिक्ष विभाग के तहत उद्योग जगत से होने वाली हार्डवेयर की आपूर्ति पिछले कई महीनों से विभिन्न राज्यों में लगे लॉकडाउन के कारण समय से नहीं हो पाई थी। सूत्रों के अनुसार इसरो ने डिजाइन बनाने, विश्लेषण करने और दस्तावेजीकरण का काम पूरा कर लिया है। गगनयान का हार्डवेयर भी बनकर तैयार है और देश भर के सैकड़ों उद्योगों से आपूर्ति भी हो गई है। दरअसल इसरो अपने मानव अभियान से पहले दो मानवरहित अंतरिक्ष अभियान करने वाला है।